पाया। वि.

दैनिक जागरण कानपुर 31/12/2022

तिलहन की खेती में उन्नत बीजों का करें प्रयोग

कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में शुक्रवार को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आइसीएआर) के सहायक महानिदेशक दलहन एवं तिलहन डा. संजीव गुप्ता ने तिलहनी फसलों के उत्पादन में आत्मनिर्भरता विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि सरसों की खेती में बीज, खाद व उर्वरक के साथ ही सिंचाई की भी कम जरूरत पड़ती है। देश में सरसों के उत्पादन में यूपी की हिस्सेदारी करीब 10 .49 प्रतिशत है। किसान उन्नत बीजों का प्रयोग करें और फसलों के प्रबंधन पर विशेष ध्यान दें। वि.

अमर उजाला कानपुर 31/12/2022

उन्नत किस्म के बीजों का करें प्रयोग

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में शुक्रवार को एक्स्ट्रा मोरल लेक्चर का आयोजन किया गया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सहायक महानिदेशक दलहन एवं तिलहन डॉ. संजीव गुप्ता ने बताया कि देश के विभिन्न राज्यों में खरीफ, रबी, जायद और तिलहनी फसलों की खेती की जाती है। डॉ. गुप्ता ने तिलहन में आत्मनिर्भरता के लिए उन्नत बीजों के प्रयोग किया जाना चाहिए। इस मौके पर प्रो. डॉक्टर आरके यादव, डॉ. मुनीष गंगवार, डॉ. धर्मराज सिंह और डॉ. पीके सिंह आदि मौजूद रहे। (संवाद)